मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 06 मार्च 2018

जामिया चलेगा सौर्य ऊर्जा से, ज़रूरत न होने पर बिजली बंद करने वाले लगेंगे स्मार्ट सेंसर

जामिया मिल्लिया इस्लामिया :जेएमआईः के वाइस चांसलर प्रो तलत अहमद ने विश्वविद्यालय में बिजली के सालाना करोड़ों रूपयों के खर्च पर आज गहरी चिंता जताई और ऐसी स्मार्ट तकनीक वाले सेंसर लगाने को कहा जिससे जिस जगह लोग नहीं हों, वहां पंखे, लाइट, एसी वगैरह अपने आप बंद हो जाएं। साथ ही उन्होंने बताया कि पूरे कैंपस को सौर्य ऊर्जा से चलाने पर भी काम चल रहा है।

प्रो अहमद ने कहा कि आज देश ऊर्जा की कमी से जूझ रहा है और इसके अनेक कारणों में सबसे बड़ी वजह कुप्रबंधन है। उन्होंने कहा, '' जेएमआई में जब मैं बिजली की बर्बादी को देखता हूं तो बहुत परेशान हो जाता हूं। कमरे या हॉल खाली पड़े हैं और पंखें, लाइट, एसी सब चल रहे हैं। पूरी तरह बर्बादी है ये। लोगों के रवैये से दुखी हूं। कोई अटेन्डड का इंतेज़ार क्यों करता है। खुद ही सब ऑफ क्यों नहीं कर देता। इससे आप छोटे नहीं हो जाएंगे। ऐसे करने से अटेन्डड को भी सीख मिलेगी।''

उन्होंने कहा कि इन करोड़ों रूपए की बर्बादी को रोक कर इन पैसों को विश्वविद्यालय के किन्हीं अच्छे कामों में इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जेएमआई के सारे परिसर को सौर्य ऊर्जा से चलाने पर काम हो रहा है और ऐसे सेंसर भी लगाए जाने की योजना है जिससे जिस जगह लोग नहीं हों, वहां बिजली के उपकरण अपने आप बंद हो जाएं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से चलाए जा रहे '' ज्ञान '' के एक कोर्स का उद्घाटन करते हुए उन्होंने यह बातें कहीं। इस कोर्स का विषय है '' स्मार्ट सिटी के विकास में स्मार्ट भवन ऊर्जा प्रबंधन व्यवस्था की भूमिका'' ।

ज्ञान कोर्स के तहत किसी विदेशी विश्वविद्यालय के अपने क्षेत्र के विख्यात प्रोफेसर या विशेषज्ञ को बुलाया जाता है, जिससे कि छात्र और अध्यापक उस क्षेत्र के नवीनतम अंतरराष्ट्रीय ज्ञान से रू–ब–रू हो सकें। एक सप्ताह चलने वाले ज्ञान कोर्स में जेएमआई के ही नहीं बल्कि देश–विदेश के छात्र, अध्यापक और बड़ी बड़ी कंपनियों को लोग हिस्सा लेते हैं।

इस ज्ञान कोर्स को अमेरिका के ' एडवांस इन्स्टिटूट ऑफ विर्जीनिया टेक ' के डायरेक्टर प्रो सैफ़ुर रहमान ले रहे हैं। बिजली प्रबंधन में दुनिया में इनका बड़ा नाम है।

प्रो सैफ़ुर रहमान ने ऊर्जा को बर्बाद होने से रोकने के लिए जेएमआई की ओर से उठाए जा रहे क़दमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत भाग्यशाली है क्योंकि यह अपनी ऊर्जा ज़रूरतों से 30 प्रतिशत अधिक तक ऊर्जा बनाने की क्षमता रखता है। लेकिन यहां सबसे बड़ा काम यह है कि बिजली की बेवहजह बर्बादी को कैसे रोका जाए। उन्होंने बताया कि अपने कोर्स के तहत वह इस बात पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

इस कोर्स के कोऑडिनैटर प्रो माजिद जमील ने बताया कि इस कोर्स में जामिया सहित देश भर के विश्वविद्यालयों से 60 छात्र और अध्यापक हिस्सा ले रहे हैं। इसके अलावा 6 लोग उद्योगों से और 4 लोग विदेश से भी इसमें हिस्सा लेने आए हैं।

जेएमआई के ज्ञान कोर्स के कोऑडिनैटर प्रो अमान जयराजपुरी ने बताया कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे इस कार्स का मक़सद देश के छात्रों और अध्यापकों को विभिन्न क्षेत्रों के नवीनतम अंतरराष्ट्रीय ज्ञान से रू–ब–रू कराना है।

इस कोर्स के उद्घाटन सत्र में इंजीनियरिंग विभाग के डीन महताब आलम, इलेक्ट्रानिक विभाग के प्रमुख ज़ेड ए जाफ़री सहित बड़ी तादाद में विभिन्न विभागों के छात्र और अध्यापक मौजूद थे।

प्रो साइमा सईद
मीडिया कोऑर्डनैटर